

होत आवेरो म्हारा धाम को गुरु न भेज्यो परवाणो



होत आवेरो म्हारा धाम को,
गुरु न भेज्यो परवाणो IbdI

हम कारज निर्माण किया,
आरे परमेश्वर को जाणु,
मुल रच्यो निजधाम को,
जाकर होय रे ठिकाणु,
होत आवेरो म्हारा धाम को,
गुरु न भेज्यो परवाणो IbdI

ओ सल्ला बिहार के,
काई लावो रे बयाना,
कस के कमर को जायगो,
जामे साधु समाना,
होत आवेरो म्हारा धाम को,
गुरु न भेज्यो परवाणो IbdI

बहु सागर जल रोखीयाँ,
देव जबर निसानी,
चेहरा हो देखो निहार के,
काहे दल को हो धाम,
होत आवेरो म्हारा धाम को,
गुरु न भेज्यो परवाणो IbdI

नाम शब्द को राखजो,
आरे बैकुण्ठ को जाणु,
सब संतन का सार है,
चाहे होय परवाणो,
होत आवेरो म्हारा धाम को,
गुरु न भेज्यो परवाणो IbdI



नही देणा रे भेद,
गुरु मनरंग पहिचाणिया,
मानो वचन हमारो,
होत आवेरो म्हारा धाम को,
गुरु न भेज्यो परवाणो Ibd।

होत आवेरो म्हारा धाम को,
गुरु न भेज्यो परवाणो Ibd।

प्रेषक – घनश्याम बागवान ।
बजरंज मंडल सिद्धीकगंज ।
7879338198
